कांग्रेस एवं उसके सहयोगी दलों द्वारा एसआईआर पर हायतौबा मचाना दुर्भाग्यपूर्ण : मुख्यमंत्री योगी

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, : लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ में आयोजित पत्रकारवार्ता में कहा कि लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने एसआईआर को लेकर विपक्ष पर लगातार भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीनों चुनाव आयुक्तों ने एक साथ स्थिति स्पष्ट की है लेकिन कांग्रेस व अन्य दलों द्वारा बाल की खाल निकालकर भारत की संवैधानिक प्रक्रिया को कठघरे में खड़ा किया जा रहा है। इसके लिए इन्हें माफी मांगनी चाहिये।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आरजेडी द्वारा एसआईआर पर हाय तौबा मचाया गया है, वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। पहली बार एसआईआर नहीं हुआ है। इस देश के अंदर अलग-अलग समय में और ज्यादातर समय में कांग्रेस नेतृत्व की सरकार देश के अंदर रही है। इससे पहले 1952, 1957, 1961, 1966 और 2003 में भी एसआईआर हुआ है। उस सब के बावजूद इस बार की कार्रवाई को लेकर के जिस प्रकार हायतौबा सबसे बड़ी पार्टी और अन्य दलों ने मचाई है, अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कांग्रेस पार्टी, जिसने देश के अंदर सब से अधिक समय तक शासन किया और लगातार चुनाव आयोग को कटघरे में खड़ा कर रही है। हर व्यक्ति जानता है कि कांग्रेस हो या अन्य विपक्षी दल जीत जाएं तो सब ठीक है। अगर जनता जनार्दन इन्हें ख़ारिज करती है तो इसके लिए आयोग को जिम्मेदार ठहराते हैं। इन दलों को स्वयं इसका चिंतन करना चाहिए, आत्मावलोकन करना चाहिए। लगातार उनके द्वारा भारत की हर संवैधानिक संस्था को, हर वैधानिक संस्था को कटघरे में खड़ा करने के प्रयास होता है।

राहुल गांधी ने न्यायपालिका की निष्पक्षता पर कैंब्रिज में उठाया था सवाल : मुख्यमंत्री ने कहा कि इन लोगों द्वारा हर संवैधानिक संस्था को लगातार कटघरे में खड़ा किया जाता है। यह लोग चुनाव आयोग पर लगातार हमलावर हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कैंब्रिज में भारत की न्यायपालिका की निष्पक्षता पर प्रश्न खड़ा किया था। 2019 में कैग ने राफेल के मुद्दे पर अपना आब्जर्वेशन दिया था, इस पर भी कांग्रेस ने सवाल खड़े किए थे। ईवीएम से हुए चुनाव में केंद्र व कई राज्यों में कांग्रेस की सरकार बनी, उस ईवीएम को ब्लैक बॉक्स कहकर भारत की चुनाव प्रणाली व दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र पर सवाल खड़ा करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

कांग्रेस का संवैधानिक व लोकतांत्रिक मूल्यों पर विश्वास नहीं : मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि इनका संवैधानिक व लोकतांत्रिक मूल्यों पर विश्वास नहीं है। 25 जून 1975 को कांग्रेस ने जब देश के संविधान का गला घोंटने का पाप किया था, तब उनके नेतृत्व की सरकारों ने विपक्षी दलों की चुनी गई तमाम सरकारों को अनैतिक तरीके से गिराने का पाप किया था। अपनी भ्रष्ट कार्यप्रणाली, आर्थिक कदाचार के कारण देश की आंतरिक-वाह्य सुरक्षा के साथ लगातार खिलवाड़ किया। बालाकोट की एयर स्ट्राइक, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के बहादुर जवानों के शौर्य-पराक्रम पर इनके द्वारा सवाल खड़ा करना देशभक्ति नहीं है। वर्तमान में ऐसी ही गैरजिम्मेदाराना हरकतें कांग्रेस व उनके सहयोगी दल कर रहे हैं।

गैरजिम्मेदाराना हरकतों को कंट्रोल करे कांग्रेस : मुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर के बारे में पहले से ही निर्देश दिए गए थे कि छूटे हुए मतदाताओं को फॉर्म भरने की पूरी छूट है। फॉर्म-6 को लेकर उच्चतम न्यायालय ने चुनाव आयोग की कार्रवाई को उचित ठहराया, फिर भी चुनाव आयोग, मुख्य निर्वाचन आयुक्त व हर संवैधानिक संस्थाओं को कटघरे में खड़ा करके भारत की बदनामी कराना और सबसे बड़े लोकतंत्र को कमजोर करने की चेष्टा करने वाली कांग्रेस व उनके सहयोगी दलों का यह कृत्य अत्यंत हैरान करने वाला है। कांग्रेस अपनी गैरजिम्मेदाराना हरकतों को कंट्रोल करे। लोकतंत्र में हिंसा, तोड़फोड़ व दुष्प्रचार के लिए कोई जगह नहीं है।

कांग्रेस व उसके सहयोगी दल जनता से मांगें माफी : योगी ने कहा कि तीनों चुनाव आयुक्त ने मीडिया के सामने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली, छूटे मतदाताओं व फॉर्म-6 को लेकर स्थिति स्पष्ट की है। अब कोई प्रश्न खड़े नहीं होते लेकिन कांग्रेस, सपा व सहयोगी दलों द्वारा बाल की खाल उधेड़ने जैसी स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण है।

लोकतांत्रिक मूल्यों व संस्थाओं को कमजोर करने की साजिश हो रही है। भारत ने हर वयस्क मतदाता को पहले दिन से जाति, क्षेत्र, भाषा, लिंग समेत बिना भेदभाव मतदान करने की स्वतंत्रता और चुनाव के एक दिन पहले तक मतदाता सूची में नाम बढ़ाने का अधिकार दिया है। पूरी पारदर्शी प्रक्रिया पर प्रश्नचिह्न उठाना लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने जैसा है। कांग्रेस व सहयोगी दलों को अपने कृत्य के लिए आमजन व देश की संवैधानिक संस्थाओं से माफी मांगनी चाहिए।

इलेक्ट्रॉनिक्स से एआई और सेमीकंडक्टर तक, यूपी बनेगा देश का नंबर-1 टेक्नोलॉजी हब : जितिन प्रसाद

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, नोएडा : उत्तर प्रदेश अब केवल इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का केंद्र बनने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि एआई, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश देश का अगला ग्रोथ इंजन बनने की ओर अग्रसर है। यह बातें केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने शनिवार को 'यूपीज जर्नी फ्रॉम इलेक्ट्रॉनिक्स लीडर टू एआई एंड सेमीकंडक्टर पावरहाउस' सत्र को संबोधित करते हुए कहीं।

उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब देश और दुनिया में निवेश की चर्चा के दौरान उत्तर प्रदेश का नाम प्रमुखता से लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, रिसर्च और मैन्युफैक्चरिंग का प्रमुख हब बनाना है और इसके लिए राज्य में तेजी से जरूरी इकोसिस्टम तैयार हो रहा है। जितिन प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय विजन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में परिवर्तन स्पष्ट दिखाई दे रहा है। केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय वाली डबल इंजन सरकार इस बदलाव को गति दे रही है। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी और ट्रेड देश की विकास यात्रा के दो महत्वपूर्ण इंजन हैं और उत्तर प्रदेश इनके माध्यम से नई ऊंचाइयों को हासिल कर सकता है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब प्रयास केवल नोएडा तक निवेश सीमित रखने का नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी इलेक्ट्रॉनिक्स और टेक्नोलॉजी के अवसर पैदा करने का है। इसका सीधा लाभ राज्य के युवाओं को मिलेगा। उन्होंने कहा कि सैमसंग और योटा जैसे बड़े निवेश, डाटा सेंटर्स, एआई लैब्स तथा अन्य टेक्नोलॉजी इंफ्रास्ट्रक्चर उत्तर प्रदेश में बन रहे नए इकोसिस्टम की तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। सरकार का प्रयास है कि राज्य में डिजाइन से लेकर सेमीकंडक्टर कॉम्पोनेंट्स, इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट तक पूरी वैल्यू चेन विकसित हो। जितिन प्रसाद ने कहा कि भारत अब केवल उत्पादों की असेंबली करने वाला देश नहीं रहेगा। इलेक्ट्रॉनिक कॉम्पोनेंट्स मैन्युफैक्चरिंग स्कीम जैसी पहल के जरिए देश कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग की दिशा में बढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत की डिजाइन क्षमता और प्रतिभा को दुनिया पहले से पहचानती है। अब इसी ताकत के साथ मैन्युफैक्चरिंग क्षमता जोड़ने की जरूरत है। उत्तर प्रदेश में सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का निर्माण तथा उन्हें घरेलू और वैश्विक बाजारों तक पहुंचाना इस विजन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। केंद्रीय मंत्री ने उद्योग जगत को स्पष्ट संदेश दिया कि सरकारी प्रोत्साहन और सब्सिडी विकास को गति देने का माध्यम हैं, लेकिन उद्योगों की दीर्घकालिक सफलता उनकी अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता पर निर्भर करेगी। सरकार जमीन, नीतियां, मंजूरियां और सुविधाएं उपलब्ध करा सकती है, लेकिन उद्योगों को अंततः कॉम्पिटेटिव और सेल्फ सस्टेनिंग बनना होगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की सरकार उद्योगों की जरूरतों को समझते हुए सक्रिय और गुड गवर्नेंस के साथ काम कर रही है।

नारायणी में उफान से कुशीनगर में बाढ़ का खतरा, दियारा के कई गांवों में बढ़ी चिंता

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, कुशीनगर : नेपाल में लगातार हो रही बारिश के बीच बड़ी गंडक नदी (नारायणी) का जलस्तर बढ़ने से कुशीनगर जिले के खड्डा और पनियहवा क्षेत्र में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। नदी के बढ़ते जलस्तर से दियारा क्षेत्र के कई गांवों में लोगों की चिंता बढ़ गई है।

मदनपुर सुकरौली, भैंसहा, लक्ष्मीपुर, पड़रहवा और भगवानपुर समेत कई गांवों में बाढ़ की आशंका को देखते हुए ग्रामीण सतर्क हो गए हैं। वहीं, शिवपुर, हरिहरपुर, नरायनपुर, मरिचहवा और बसंतपुर की ओर भी नदी के पानी का असर दिखाई देने लगा है। निचले इलाकों में पानी बढ़ने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

4.04 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया: नारायणी नदी में लगातार बढ़ते जलप्रवाह के बीच रविवार सुबह आठ बजे तक 4 लाख 4 हजार क्यूसेक पानी छोड़े जाने की जानकारी सामने आई है। वहीं, नदी की सहायक नदी देवघाट से 5 लाख 92 हजार क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने की सूचना है। पानी के इस बड़े प्रवाह से नदी के तटवर्ती इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। नेपाल में हो रही बारिश का असर नदी के जलस्तर पर दिखाई देने लगा है। इससे खड्डा और पनियहवा क्षेत्र के तटवर्ती गांवों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है।

सुरक्षित और ऊंचे स्थानों की ओर जाने लगे ग्रामीण : नदी का जलस्तर बढ़ने और निचले इलाकों में पानी पहुंचने से ग्रामीण सुरक्षित और ऊंचे स्थानों की ओर रुख करने लगे हैं। दियारा क्षेत्र के गांवों में लोग अपने परिवार और जरूरी सामान को सुरक्षित रखने की तैयारी में जुटे हैं। मदनपुर सुकरौली, भैंसहा, लक्ष्मीपुर, पड़रहवा और भगवानपुर समेत कई गांवों में बाढ़ की आशंका के चलते सतर्कता बढ़ गई है। नदी के पानी का असर शिवपुर, हरिहरपुर, नरायनपुर, मरिचहवा और बसंतपुर की ओर भी दिखाई देने लगा है। ग्रामीणों को आशंका है कि जलस्तर में और बढ़ोतरी होने पर उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

सीएम युवा एक्सपो में दिखी यूपी के युवाओं की कारोबारी प्रतिभा

नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में युवाओं को नौकरी तलाशने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की तस्वीर यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 में आयोजित सीएम युवा एक्सपो-2026 में दिखाई दे रही है। इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित एक्सपो के दूसरे दिन युवा उद्यमियों के उत्पादों, कारोबार के नए विचारों और सफल कारोबारी मॉडलों को व्यापक मंच मिला। दूसरे दिन एक्सपो में करीब 15 हजार से अधिक आगंतुक पहुंचे।

पितृपक्षः प्रतिप्रदा श्राद्ध पर काशी में गंगा तट पर उमड़े श्रद्धालु, पूर्वजों का पिंडदान और तर्पण किया

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, वाराणसी : उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में भाद्रपद मास की पूर्णिमा तिथि से पितृ पक्ष की शुरुआत हो गई। रविवार को प्रतिपदा श्राद्ध तिथि पर अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए बड़ी संख्या में लोग गंगा तट और अनादि विमल तीर्थ पिशाचमोचन कुंड पर श्राद्ध कर्म के लिए उमड़ पड़े। लोगों ने पूरे श्रद्धाभाव से त्रिपिंडी श्राद्ध, पिंडदान, तर्पण और विधि विधान से श्राद्ध कर्म किया। जिनके पूर्वजों की अकाल मृत्यु हुई थी उन्होंने श्रद्धापूर्वक कर्मकांडी ब्राम्हणों से त्रिपिंडी श्राद्ध कराया।श्राद्धकर्म के लिए दूर-दराज के प्रांतों से श्रद्धालु शनिवार शाम को ही शहर में आ गये थे। रविवार अलसुबह से ही गंगा तट और पिशाचमोचन कुंड गुलजार हो गया। गया जाने के पूर्व पिशाचमोचन कुंड पर अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा निवेदित करने के लिए लोग श्राद्ध कर्म सुबह से करते रहे। माना जाता है कि तर्पण और श्राद्ध कर्म से पितृदोष से मुक्ति के साथ पितरों की आत्मा भी तृप्त होती है। तर्पण न करने से पितरों को मुक्ति नहीं मिलती और उनकी आत्मा भी मृत्यु लोक में भटकती है। ऐसे में पितृपक्ष में पितरों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण किया जाता है। विष्णुपुराण के अनुसार, श्रद्धापूर्वक श्राद्धकर्म करने से केवल पितृगण ही तृप्त नहीं होते, बल्कि ब्रह्मा, इंद्र, रुद्र, अश्विनीकुमार, सूर्य, अग्नि, अष्टवसु, वायु, ऋषि, मनुष्य, पशु-पक्षी और सरीसृप आदि समस्त भूत प्राणी तृप्त होते हैं। मान्यता है कि आश्विन मास के कृष्ण पक्ष में यमराज भी सभी पितरों को अपने यहां से छोड़ देते हैं, ताकि वे अपनी संतान (वंशजों)से श्राद्ध के निमित्त भोजन ग्रहण कर लें। इस माह में श्राद्ध न करने वालों के पितर अतृप्त होकर उन्हें शाप देकर पितृ लोक लौट जाते है।

आपका राशिफल 28 सितम्बर

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो अ
अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-4-6

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है, अत:वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक 1 5 8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। घर तथा व्यावसाय को एक दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। स्थान परिवर्तन की संभावना है। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-2-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-2-6-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक 1 5 8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो या यी यू
उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-3-6-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
लेन-देन में स्पष्ठता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-3-5-7

मकर — भो जा जी खी खू खे खो गा गी
आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा व हर्ष पूर्ण माहौल बनेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। धार्मिक यात्रा शुभ है। शुभांक-3-5-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-3-6-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक 2 4 8

यूपी की 10 राज्यसभा सीटों पर 16 अक्टूबर को चुनाव, भाजपा में दावेदारों की चर्चा जोरों पर

स्मृति और हरीश के नाम चर्चा में, मौजूदा सदस्यों को दोबारा मौका मिलने की भी अटकलें

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, : लखनऊ : उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की 10 सीटों के लिए 16 अक्टूबर को चुनाव होना है। विधानसभा में मौजूदा संख्याबल के आधार पर भाजपा नीत गठबंधन आठ सीटों पर जीत की स्थिति में है, जबकि समाजवादी पार्टी दो सीटें हासिल कर सकती है। हालांकि, अंतिम परिणाम मतदान के दौरान क्रॉस वोटिंग और अन्य समीकरणों से प्रभावित हो सकते हैं।

भाजपा की ओर से प्रत्याशियों के नामों को लेकर चर्चा तेज है। पार्टी के राष्ट्रीय संगठन में हाल में जिम्मेदारी पाने वाली पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी के नाम संभावित उम्मीदवारों में बताए जा रहे हैं। पूर्व सांसद वरुण गांधी के नाम की भी चर्चा है। हालांकि, पार्टी की ओर से इन नामों की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

मौजूदा सदस्यों में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, अरुण सिंह, बीएल वर्मा, गीता शाक्य, नीरज शेखर, ब्रजलाल और सीमा द्विवेदी का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। डॉ. दिनेश शर्मा के इस्तीफे के बाद उनकी सीट पहले ही रिक्त है। समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव और बहुजन समाज पार्टी के रामजी गौतम का कार्यकाल भी समाप्त हो रहा है। भाजपा के संभावित नामों में राजबीर सिंह, प्रकाश पाल, बीएल वर्मा, गीता शाक्य, हरदीप सिंह पुरी, अरुण सिंह, ब्रजलाल, सीमा द्विवेदी और नीरज शेखर के नाम भी चर्चा में हैं। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ताओं प्रेम शुक्ला और गौरव भाटिया के नाम की भी दावेदारी के रूप में चर्चा है। चुनाव आयोग के कार्यक्रम के अनुसार 29 सितंबर से नामांकन शुरू होंगे और 6 अक्टूबर तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। 7 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी, जबकि 9 अक्टूबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। मतदान 16 अक्टूबर को होगा।

राज्यसभा चुनाव 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा और सपा के लिए संगठनात्मक और राजनीतिक समीकरणों के लिहाज से महत्वपूर्ण होगा।

राम मंदिर आंदोलन में अशोक सिंघल ने दिया नेतृत्वः योगी

अशोक सिंघल की जन्मशती पर योगी ने याद किया

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, : लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल के जन्मशती वर्ष के उद्घाटन समारोह में राम मंदिर आंदोलन के दौर को याद किया। उन्होंने कहा कि उस समय आंदोलन से जुड़े लोग कफन बांधकर मर-मिटने के लिए तैयार रहते थे। तत्कालीन सरकार की कार्रवाई के बावजूद अशोक सिंघल आंदोलन के नेतृत्व में डटे रहे।

योगी ने कहा कि आंदोलन को एक नेतृत्व की आवश्यकता थी, जो अशोक सिंघल ने दिया। उन्होंने सिंघल के सेवा कार्यों का भी उल्लेख किया और कहा कि उन्होंने एकल विद्यालयों की स्थापना में भूमिका निभाई, जहां आदिवासी बच्चों को शिक्षा दी जाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंघल का ध्येय सनातन धर्म की सुरक्षा और समाज को संगठित करना था। उन्होंने राम जन्मभूमि आंदोलन के लंबे संघर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि कई पीढ़ियों से संतों, नागाओं, सिख योद्धाओं, राजाओं और आम लोगों ने मंदिर के लिए संघर्ष किया।

गोसेवा और गोसंरक्षण का उल्लेख करते हुए योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2017 के बाद 7700 गोशालाएं बनाई गईं और इनमें 16 लाख से अधिक गायों का संरक्षण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक गाय के लिए प्रतिमाह 1500 रुपये उपलब्ध करा रही है।

योगी ने कहा कि गोसंरक्षण केवल भाषण या सड़क पर आंदोलन का विषय नहीं है। उन्होंने दावा किया कि 2017 के बाद प्रदेश में अवैध बूचड़खाने बंद कराए गए।

मुख्यमंत्री ने अयोध्या के विकास और राम मंदिर आंदोलन को लेकर कांग्रेस तथा समाजवादी पार्टी पर भी टिप्पणी की। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दलों ने अयोध्या के लिए पर्याप्त काम नहीं किया और अब कुछ लोग स्वयं को रामभक्त साबित करने का प्रयास कर रहे हैं।

समारोह में संतों और विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों के अलावा अन्य प्रमुख लोग भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में अशोक सिंघल के जन्मशती वर्ष से जुड़े आयोजन की शुरुआत की गई।

एक्सप्रेस-वे पर क्रेटा पांच बार पलटी, तीन की मौत

नईदुनिया ब्यूरो, आगराः आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर शनिवार सुबह तेज रफ्तार क्रेटा कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। इसके बाद कार चार से पांच बार पलटी। हादसे में पिछली सीट पर बैठे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आगे बैठे दो लोग घायल हो गए। दोनों की जान सीट बेल्ट और एयरबैग खुलने से बच गई। हादसा डौकी थाना क्षेत्र में सुबह करीब सात बजे हुआ।

पुलिस के मुताबिक, हादसे के समय कार की गति करीब 140 किलोमीटर प्रतिघंटा थी। कार दिल्ली से बलिया जा रही थी। मृतकों की पहचान जयप्रकाश (32), भूपेंद्र (35) और कपिल (31) के रूप में हुई है। तीनों पिछली सीट पर बैठे थे। हादसे के दौरान वे कार से उछलकर एक्सप्रेस-वे के नीचे खाई में जा गिरे। सिर में गंभीर चोट लगने से उनकी मौत हो गई। कार चला रहे यशवंत और उनके बगल में बैठे चंद्रकांत ने सीट बेल्ट लगा रखी थी।

टक्कर के बाद एयरबैग खुल गए। दोनों एयरबैग और सीट के बीच फंस गए, जिससे उनकी जान बच गई। दोनों घायल हैं और अस्पताल में उनका उपचार चल रहा है। कार सवार सभी लोग आपस में दोस्त थे।

हादसा इतना भीषण था कि कार का आगे और पीछे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। साइड के हिस्से पिचक गए और पहिए तक अलग हो गए। हादसे के बाद पुलिस ने क्रेन की मदद से कार को एक्सप्रेस-वे से हटवाया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

पुलिस ने तीनों शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिए हैं और स्वजन को सूचना दे दी है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

भतीजे ने साधु की हत्या की

आगराः आगरा के अछनेरा थाना क्षेत्र में एक साधु की उसके भतीजे ने दो दोस्तों के साथ मिलकर हत्या कर दी। आरोप है कि तीनों ने सिलबट्टे से पीटकर धर्मवीर सोलंकी की जान ले ली। शुक्रवार सुबह उनका शव गांव सहाई के बाहर प्लॉट पर बने कमरे में मिला था। पुलिस ने शनिवार को आरोपी भतीजे को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में भतीजे ने पारिवारिक विवाद और जमीन के लिए चाचा की हत्या करने की बात बताई है। धर्मवीर सोलंकी चार भाइयों में सबसे छोटे और अविवाहित थे। वह अकेले रहते थे। कुछ समय पहले उन्होंने अपनी जमीन का एक हिस्सा बेच दिया था, जिससे उन्हें लाखों रुपये मिले थे। यह रकम बैंक में जमा थी। इसके बावजूद उनके पास तीन बीघे से अधिक जमीन थी, जिसकी कीमत करोड़ों रुपये बताई गई है। परिवार के अनुसार, धर्मवीर ने संन्यास ले लिया था और साधु बन गए थे।

80 घंटे की बारिश से हालात बिगड़े, 63 की मौत

लखनऊ का राष्ट्र प्रेरणा स्थल जलमग्न, बाराबंकी में 150 साल पुरानी मस्जिद बही

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, : लखनऊ : उत्तर प्रदेश में करीब 80 घंटे से जारी बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। शहरों से लेकर गांवों तक जलभराव की स्थिति है। आंधी और बारिश से दो दिन में 63 लोगों की मौत हो चुकी है। अलग-अलग जिलों में आठ नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। मौसम विभाग ने सोमवार को प्रदेश के 46 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल परिसर में पानी भर गया। इकाना स्टेडियम के पास सड़क धंस गई। हरदोई में अपर जिलाधिकारी की गाड़ी कीचड़ में फंस गई, जिसे ग्रामीणों ने धक्का देकर बाहर निकाला। कोतवाली परिसर में भी पानी भर गया और बरसाती पानी थाना प्रभारी के कमरे तक पहुंच गया। बरेली में आकाशवाणी केंद्र में पानी भरने के बाद लोग पटरे की नाव बनाकर बाहर निकले।

बाराबंकी में सरयू नदी में करीब 30 दिन से लटकी 150 साल पुरानी मस्जिद बह गई। उन्नाव में गंगा एक्सप्रेस-वे पर सोनिक टोल प्लाजा के पास दो से तीन फीट पानी भर गया। पंप की मदद से पानी को एक्सप्रेस-वे से बाहर निकाला गया। कुशीनगर में गंडक बैराज के 36 फाटक खोल दिए गए हैं। कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर और बरेली समेत कई जिलों में तेज बारिश हुई। 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं। कई इलाकों में घरों और दुकानों में पानी घुस गया। हजारों पेड़ और बिजली के खंभे उखड़कर गिर गए। कानपुर में जलभराव के कारण कई परिवार घरों में फंस गए। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी की टीमें राहत-बचाव कार्य में जुटीं। देवरिया में रेलवे ट्रैक के ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइन पर पेड़ गिरने से आग लग गई। इसके कारण करीब पांच घंटे तक ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहा। कुछ ट्रेनों को अलग-अलग स्थानों पर रोकना पड़ा। लखनऊ के बख्शी का तालाब क्षेत्र के गांवों में खेतों में पानी भरने से फसलों को नुकसान हुआ। पिछले तीन दिनों में प्रदेश में 111.3 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई, जबकि सामान्य बारिश 9.4 मिलीमीटर होती है। मौसम विभाग ने सोमवार को भी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

सीतापुर में आंधी और बारिश के बीच सैकड़ों पेड़ उखड़कर गिर गए। इससे कई रास्ते बंद हो गए। देवरिया में जलभराव के बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया। अधिकारियों ने सड़क पर उतरकर हालात की जानकारी ली। मौसम विभाग ने सोमवार को भी प्रदेश के 46 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।